शम्भवे गुरवे नमः

# भगवान शिव हमारे गुरू हैं। आइये, शिव को अपना गुरू बनायें।

## शिव शिष्य होने में सहायक तीन सूत्र

### प्रथम सूत्र :

अपने गुरू शिव से यह मूक संवाद प्रतिदिन सम्प्रेषित करें कि "हे शिव, आप मेरे गुरू हैं, मैं आपका शिष्य हूँ, मुझ शिष्य पर दया कर दीजिए।"

### द्वितीय सूत्र :

सबको सुनाना और समझाना है कि शिव गुरू हैं; ताकि दूसरे लोग भी शिव को अपना गुरू बनायें।

### तृतीय सूत्र :

अपने गुरू शिव को मन ही मन प्रणाम करना है। इच्छा हो तो "नमः शिवाय" मंत्र से प्रणाम किया जा सकता है।

हरीन्द्रानन्द

सौजन्यः - वैश्विक शिव शिष्य परिवार,
राँची, झारखण्ड (भारत)